

81. (b) आकलन निर्देशों का एक अभिन्न अंग है क्योंकि यह निर्धारित करता है कि शिक्षा के उद्देश्यों को किस प्रकार से प्राप्त किया जा सकता है। आकलन श्रेणी निर्णय, सेवायोजन, विकास, निर्देशात्मक जरूरतों एवं पाठ्यक्रम को प्रभावित करता है।
83. (d) भारत में अधिकांश कक्षाएँ बहुभाषी होती हैं और इसे शिक्षक द्वारा संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत में विभिन्न भाषा को बोलने वाले लोग सदैव ही मिलजुल कर रहे हैं अतः बहुभाषी कक्षाएँ शिक्षक के लिए संसाधन ही हैं।
84. (a) कार्य को छोटे हिस्सों में बाँटने के बाद निर्देश लिखकर जटिल परिस्थिति को संसाधित करने में शिक्षक बच्चों की सहायता कर सकता है। बच्चे जटिल परिस्थिति को जब न समझ पाएँ तो शिक्षक उसी जटिल कार्य को छोटे-छोटे-हिस्सों में विभाजित करके आवश्यक निर्देश दे तो बच्चे कार्य को सरलता पूर्वक समझ कर पूर्ण कर सकेंगे।
85. (c) अधिगमकर्ता – केन्द्रित विधि का अर्थ बच्चों के अनुभवों, उनके स्वयं और उनकी सक्रिय सहभागिता को प्राथमिकता देना है।
88. (a) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं।
89. (d) एक शिक्षिका अपनी प्राथमिक कक्षा में विषयवस्तु को विद्यार्थियों के जीवन के साथ संबंधित करके प्रभावी अधिगम को बढ़ा सकती है।
91. (d) नए अनुभव एकत्रित करना तथा इससे व्यवहार में परिवर्तन आने की प्रक्रिया अधिगम कहलाती है। पूर्व अधिगम, विषय वस्तु का स्वरूप, विषय के प्रति मनोवृत्ति, सीखने की इच्छा, अभिप्रेरणा, वातावरण, वंशानुक्रम आदि कारकों के कारण बच्चे एक ही अवतरण का भिन्न अर्थ लगाते हैं।
92. (a) समस्या समाधान विधि वह शिक्षण विधि है जिसमें शिक्षण कार्य किसी समस्या के लिए आयोजित एवं गठित किया जाए। इस क्रिया विधि में विद्यार्थियों के सम्मुख चुनौतीपूर्ण समस्या रखकर उनको समाधान के खोज की तकनीक में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।
93. (a) स्मृति स्तर में ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न की जाती हैं, जिससे छात्र पढ़ाई की विषय वस्तु को आत्मसात कर सकें।
100. (a) ब्लूम की वर्गीक शिक्षा के अन्तर्गत 'सीखने के उद्देश्यों' के वर्गीकरण से सम्बन्धित हैं। बेंजामिन ब्लूम के नेतृत्व में शैक्षिक गतिविधियों के तीन डोमेनों की पहचान की गयी-
- संज्ञानात्मक
 - भावनात्मक
 - साइकोमोटर

संज्ञानात्मक डोमेन में ज्ञान तथा बौद्धिक कौशलों का विकास शामिल हैं।



संज्ञानात्मक सम्प्राप्ति के स्तर

अभ्यास - 2

1. 'द कॉडिंग ऑफ लर्निंग' पुस्तक के रचयिता है-
 - (a) गैने (b) पावलाव
 - (c) थर्नडाइक (d) स्किनर
2. गैने की अधिगम शृंखला में सोपान है-
 - (a) 7 (b) 8
 - (c) 9 (d) 10
3. मूल प्रवृत्तियों को जन्मजात प्रवृत्तियाँ मानने वाले मनोवैज्ञानिक है-
 - (a) डेवर (b) मैकडगल
 - (c) फ्रायड (d) रूसो
4. मैकडगल के अनुसार कुल मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं-
 - (a) 14 (b) 15
 - (c) 16 (d) 12
5. 'पलायन' नामक मूल प्रवृत्ति से जुड़ा संवेग है-
 - (a) भय (b) क्रोध
 - (c) घृणा (d) विषाद
6. संवेगों की विशेषता है-
 - (a) व्यापकता (b) शारीरिक परिवर्तन
 - (c) वैयक्तिकता (d) उपरोक्त सभी
7. किशोरावस्था में कौन-सी मूलप्रवृत्ति जीवन में उथल-पुथल मचाती है?
 - (a) जिज्ञासा (b) काम
 - (c) सामूहिकता (d) संग्रह
8. सोखने के उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन है?
 - (a) थर्नडाइक (b) पैवलाव
 - (c) स्किनर (d) कोहलर
9. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का सबसे अधिक मुख्य अंग कौन-सा है-
 - (a) शिक्षक (b) शिक्षार्थी
 - (c) शिक्षणविधि (d) इनमें से कोई नहीं
10. शिक्षा मनोविज्ञान का क्या महत्व है?
 - (a) खेल द्वारा शिक्षा देने का महत्व
 - (b) बालक की वैयक्तिक विभिन्नताओं को जानना व शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में मदद
 - (c) महाविद्यालय में शान्ति स्थापित करने में मदद
 - (d) अध्ययनकाल समाप्त होने पर रोजगार दिलाने में महत्व
11. शिक्षक के लिए मनोविज्ञान का क्या महत्व है?
 - (a) दण्ड देने में सरलता होती है
 - (b) कापियों नहीं जाँचनी पड़ती
 - (c) बालकों के व्यक्तित्व का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर, शिक्षा
 - (d) बालक के घर का पता आसानी से चल जाता है
12. शिक्षा की दृष्टि से बालक की महत्वपूर्ण आवश्यकता क्या है?
 - (a) बालकों के साथ मनोवैज्ञानिक व्यवहार की आवश्यकता
 - (b) सह-शिक्षा (Co-education) की आवश्यकता
 - (c) अच्छे भोजन की आवश्यकता
 - (d) अच्छी पोशाकों की आवश्यकता।
13. शिक्षा को मनोवैज्ञानिक आधार की आवश्यकता क्यों है?
 - (a) शिक्षा के राष्ट्रीयकरण के लिए
 - (b) अच्छी पाठ्यपुस्तकों के निर्माण के लिए
 - (c) अनुशासनहीनता की समस्याओं को दूर करने के लिए
 - (d) बालक के आन्तरिक व बाहरी गुणों का पता लगाने तथा शैक्षिक समस्याओं के समाधान
14. शिक्षा क्या है?
 - (a) शिक्षा अध्यापक द्वारा मिलती है
 - (b) शिक्षा पुस्तकों में होती है
 - (c) शिक्षा जीवन पर्यन्त होने वाला अनुभव व ज्ञान है
 - (d) शिक्षा धन कमाने की एक उपयुक्त प्रक्रिया है
15. मनोविज्ञान क्या है?
 - (a) मनोविज्ञान एक वस्तु है
 - (b) मनोविज्ञान एक नवीन ज्ञान है
 - (c) मनोविज्ञान मानव इतिहास का विज्ञान है
 - (d) मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है

16. शिक्षा मनोविज्ञान क्या है?
 - (a) शिक्षा मनोविज्ञान आत्मा का विज्ञान है
 - (b) शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन है
 - (c) शिक्षा मनोविज्ञान विद्यार्थी के मन व आचरण का अध्ययन है
 - (d) शिक्षा मनोविज्ञान एक अच्छा विषय है
17. शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन-क्षेत्र क्या है?
 - (a) शिक्षा के दोषों का पता लगाना।
 - (b) अध्यापकों की वेतन-वृद्धि कराना।
 - (c) शिक्षण संस्थाओं का अध्ययन करना
 - (d) शिक्षार्थी की क्रियाओं, शिक्षण विधियों एवं शिक्षण समस्याओं का अध्ययन करना।
18. मनोविज्ञान की परिभाषाएँ समय-समय पर भिन्न-भिन्न दी गई हैं। उन्हें सही क्रम में व्यवस्थित करें-
 1. चेतना का विज्ञान
 2. आत्मा का विज्ञान
 3. व्यवहार का विज्ञान
 4. मन का विज्ञान

(a) 2, 4, 1, 3 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 3, 1, 4, 2 (d) 1, 3, 2, 4
19. प्राचीन भारतीय मनोविज्ञान में मूल रूप से किसका अध्ययन किया गया है?
 - (a) इन्द्रियों का
 - (b) मन का
 - (c) आत्मा का
 - (d) अन्तःकरण का
20. मनोविज्ञान को दर्शन से सर्वप्रथम किसने अलग किया?
 - (a) विलियम जेम्स
 - (b) वुण्ट
 - (c) थार्नडाइक
 - (d) मैक्डगल
21. पाश्चात्य देशों में मनोविज्ञान प्रयोगशाला सर्वप्रथम स्थापित की थी-
 - (a) वुण्ट
 - (b) जेम्स
 - (c) जेम्स सली
 - (d) जुंग
22. शिक्षा के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक तथ्यों का विधिक प्रयोग सर्वप्रथम किसने शुरू किया-
 - (a) वैदिक कालीन गुरु
 - (b) प्लेटो ने
 - (c) पेस्टालाजी
 - (d) हरबर्ट
23. शिक्षा मनोविज्ञान का जनक किसे माना जाता है?
 - (a) पेस्टालाजी
 - (b) हरबर्ट
 - (c) फ्रोबेल
 - (d) विलियम जेम्स
24. शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन सबसे अधिक उपयोग किनके लिए है?
 - (a) शिक्षा आयोगकों
 - (b) शिक्षा प्रशासकों
 - (c) शिक्षकों
 - (d) अभिभावकों
25. मनोविज्ञान में मनोविश्लेषणवाद विधि का प्रमुख प्रतिपादक कौन था?
 - (a) विलियम जेम्स
 - (b) वुण्ट
 - (c) फैंचनर
 - (d) फ्रायड
26. शिक्षा तकनीकी का मुख्य रूप है-
 - (a) अधिकृत अनुदेशन
 - (b) शिक्षण तकनीकी
 - (c) व्यवहार तकनीकी
 - (d) उपरोक्त सभी
27. शिक्षण का मुख्य तत्त्व माना है-
 - (a) पाठ्यवस्तु
 - (b) सम्प्रेषण
 - (c) दोनों
 - (d) कोई नहीं
28. अनुदेशात्मक प्रारूप को कहते हैं-
 - (a) प्रणाली विश्लेषण
 - (b) प्रशिक्षण तकनीकी
 - (c) पृष्ठपोषण तकनीकी
 - (d) उपरोक्त सभी
29. अधिकृत अनुदेशन का विकास किया-
 - (a) बी. एफ. स्किनर
 - (b) नार्मन ए. काउडर
 - (c) थामस गिलबर्ट
 - (d) उपरोक्त सभी
30. पाठ्यवस्तु के प्रस्तुतिकरण का स्तर होता है-
 - (a) स्मृति स्तर
 - (b) बोध स्तर
 - (c) चिन्तन स्तर
 - (d) उपरोक्त सभी
31. शिक्षण की मुख्य अवस्था होती है-
 - (a) अन्तिम क्रियाएँ
 - (b) अन्तःक्रिया
 - (c) पूर्व क्रियाएँ
 - (d) उपरोक्त सभी
32. शिक्षण प्रतिमान का मूल तत्त्व है-
 - (a) स्वरूप
 - (b) लक्ष्य
 - (c) सामाजिक प्रणाली
 - (d) उपरोक्त सभी

33. बुनियादी शिक्षण प्रतिमान का विकास किया
(a) जीन पियाजे (b) बी. एफ. स्किनर
(c) राबर्ट ग्लेसर (d) गार्डन
34. शिक्षण के मुख्य चर हैं-
(a) छात्र (b) पाठ्यवस्तु
(c) शिक्षक (d) उपरोक्त सभी
35. सक्रिय अनुबद्ध अनुक्रिया को दिया-
(a) थार्नडाइक (b) बी. एफ. स्किनर
(c) फ्रायड (d) हल ने
36. शिक्षण सिद्धान्त का अधिनियम है-
(a) क्रियाशीलता (b) प्रत्यक्षीकरण
(c) अभ्यास (d) उपरोक्त सभी
37. छात्रों की बुद्धि की प्रमिता नगण्य होती है-
(a) बोध स्तर पर (b) चिन्तन स्तर पर
(c) स्मृति स्तर पर (d) सभी में।
38. सृजनात्मक शिक्षण का व्यवस्था की जाती है-
(a) स्मृति स्तर पर (b) बोध स्तर पर
(c) चिन्तन स्तर पर (d) सभी में
39. बोध स्तर के शिक्षण का विकास किया-
(a) कर्ट लेविन (b) हरबर्ट
(c) मौरिसन (d) हण्ट
40. चिन्तन शिक्षण स्तर का विकास किया
(a) जान डीवी. (b) कर्ट लेविन
(c) हल्ट (d) मौरिसन
41. अधिक अर्थपूर्ण शिक्षण का स्तर है-
(a) बोध स्तर (b) स्मृति स्तर
(c) चिन्तन स्तर (d) उपरोक्त सभी
42. समस्यात्मक परिस्थितियों का प्रयोग किया जाता है-
(a) स्मृति स्तर (b) चिन्तन स्तर
(c) बोध स्तर (d) सभी में
43. शिक्षण के उद्देश्यों का वर्गीकरण किया-
(a) रॉबर्ट मेगर (b) रॉबर्ट मिलर
(c) बी. एस. ब्लूम (d) बी. ओ. स्मिथ
44. शिक्षण के उद्देश्यों का वर्गीकरण किया गया है-
(a) ज्ञानात्मक पक्ष (b) भावात्मक पक्ष
(c) क्रियात्मक पक्ष (d) उपरोक्त सभी
45. शिक्षण के उद्देश्यों को मुख्य रूप से विभाजित किया है-
(a) जान डीवी (b) बी.ओ. स्मिथ
(c) बी.एस. ब्लूम (d) रॉबर्ट मेगर ने
46. रॉबर्ट मेगर विधि का प्रयोग किया जाता है-
(a) भावात्मक उद्देश्यों में
(b) ज्ञानात्मक उद्देश्यों में
(c) उपरोक्त दोनों में
(d) उपरोक्त किसी में भी
47. अभिप्रेरणा एक प्रत्यय है-
(a) मनोसामाजिक (b) मनोशारीरिक
(c) सामाजिक (d) मनोवैज्ञानिक
48. सीखने की खेल विधि उपयोगी है-
(a) बाल्यावस्था हेतु
(b) पूर्व-शैशवावस्था हेतु
(c) युवावस्था हेतु
(d) परिपक्वावस्था हेतु
49. अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं-
(a) कोहलर (b) थार्नडाइक
(c) स्किनर (d) पैबलाव

उत्तरमाला

1	(a)	6	(d)	11	(c)	16	(b)	21	(a)	26	(d)	31	(d)	36	(d)	41	(c)	46	(c)
2	(b)	7	(b)	12	(a)	17	(d)	22	(a)	27	(c)	32	(d)	37	(c)	42	(b)	47	(b)
3	(b)	8	(a)	13	(d)	18	(a)	23	(a)	28	(d)	33	(c)	38	(c)	43	(c)	48	(a)
4	(c)	9	(b)	14	(c)	19	(d)	24	(c)	29	(d)	34	(d)	39	(c)	44	(d)	49	(a)
5	(a)	10	(b)	15	(d)	20	(a)	25	(d)	30	(d)	35	(b)	40	(c)	45	(c)		



'अभिप्रेरणा' अंग्रेजी रूपान्तरण Motivation की व्युत्पत्ति Latin भाषा के Motion से हुई है, जिसका अर्थ है, move, motor, motion. इसके अनुसार प्रेरणा में गति होना अनिवार्य है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक क्रेच तथा क्रचफील्ड के अनुसार, प्रेरणा हमारे 'क्यों' का उत्तर देती है। हम किसी पर स्नेह क्यों रखते हैं? हम सारी-सारी रात क्यों पढ़ते हैं, हमारी प्रत्येक क्रिया के पीछे एक बल कार्य करता है, जिसे हम प्रेरक बल कहते हैं। यह भी कहा जा सकता है कि प्रेरणा एक बल है जो प्राणी को किसी निश्चित व्यवहार या दिशा में चलने को प्रेरित करता है। मनोवैज्ञानिकों ने इसे निम्न प्रकार परिभाषित किया है-

गुड-“प्रेरणा कार्य को आरम्भ करने, जारी रखने नियमित रखने की प्रक्रिया है।”

स्किनर-“प्रेरणा सीखने के लिये राजमार्ग है।”

प्रेरकों का वर्गीकरण

- आन्तरिक

व्यक्तिगत

जैविक

प्राथमिक

जन्मजात

भूख, प्यास, आराम, नींद,
प्यार, क्रोध, सेक्स,
मलमूत्र-त्याग आदि
- बाह्य

सामाजिक

मनोवैज्ञानिक

द्वितीयक

अर्जित

सुरक्षा, प्रदर्शन, जिज्ञासा,
सामाजिकता आदि का ज्ञान

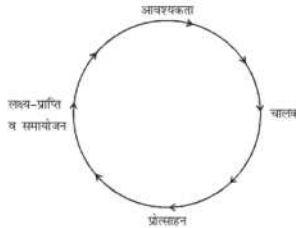
प्रेरणा से सम्बन्धित पद

मुख्य रूप से चार पद हैं-

- आवश्यकता (Need) :** यह हमारे शरीर की कोई जरूरत या अभाव है जिसके महसूस होने पर हम शारीरिक असंतुलन या तनाव महसूस करते हैं। जैसे- भूख लगने पर रोटी की आवश्यकता, बीमार होने पर दवा की आवश्यकता आदि।
 - चालक (Drive) :** प्रत्येक आवश्यकता से जुड़ा एक चालक होता है। जैसे-खाने की आवश्यकता से भूख, पानी की आवश्यकता से प्यास।
- डेशिल** कहते हैं-चालक शक्ति का वह मौलिक स्रोत है जो व्यक्ति को क्रियाशील कर देता है।

3. **प्रोत्साहन (Incentive) :** प्रोत्साहन वातावरण में उपस्थित वह तत्व है जो हमारे चालक को शान्त कर देता है। जैसे-प्यास लगने पर प्राणी पोखर, तालाब आदि का पानी पीकर अपनी प्यास बुझाता है। आवश्यकता, चालक और प्रोत्साहन इन तीनों में घनिष्ठ सम्बन्ध है। आवश्यकता चालकों को जन्म देती है। चालक एक तनावपूर्ण स्थिति होती है तथा व्यवहार को एक निश्चित दिशा प्रदान करती है।

उद्दीपन द्वारा चालक शान्त होता है।



4. **प्रेरक :** प्रेरक इन तीनों का योग होता है, अर्थात्
प्रेरक = आवश्यकता + चालक + प्रोत्साहन

$$M = N + D + I$$

अभिप्रेरणा की विधियाँ

कहा जाता है-

Better motivation better learning प्रभावी अधिगम हेतु अभिप्रेरणा आवश्यक है। कक्षा में छात्र अगर अभिप्रेरित नहीं होगा तो वह अधिगम नहीं कर पायेगा। अतः छात्र को अभिप्रेरित करने हेतु अध्यापक निम्न विधियाँ प्रयुक्त कर सकता है-

- पुरस्कार व दण्ड देकर
- प्रशंसा व निन्दा करके
- सफलता व असफलता द्वारा
- प्रतियोगिता व सहयोग की भावना द्वारा
- छात्र को प्रगति का ज्ञान कराकर
- आकांक्षा के स्तर द्वारा
- नवीनता का समागम कराकर
- रुचि जागृत करके
- आवश्यकता का ज्ञान कराकर
- कक्षा का वातावरण उचित बनाकर

अभिप्रेरणा देने वाले घटक

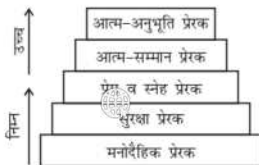
जान पी. डिस्को ने अभिप्रेरणा के चार घटकों की विवेचना की है-

- उत्तेजना (Arousal)
- आकांक्षा (Expectancy)
- प्रोत्साहन (Incentive)
- दण्ड (Punishment)

अभिप्रेरणा के सिद्धान्त

- मूल प्रवृत्ति का सिद्धान्त- मैक्डगल, जेम्स, बर्ट
- सक्रिय सिद्धान्त-मेल्लो, सोलेसबरी, लिंडस्ले
- चालक सिद्धान्त-आर. एस. बुडवर्थ
- क्रमिक सिद्धान्त-मैस्लो
- अभिप्रेरणा स्वास्थ्य सिद्धान्त-फ्रेड्रिक हर्जवर्ग
- आवश्यकता सिद्धान्त-हेनरी मरे

इन सभी में प्रसिद्ध एवं प्रचलित सिद्धान्त क्रमिक सिद्धान्त है जिसे मैसलो ने दिया है। मैसलो ने अपने इस अभिप्रेरणा सिद्धान्त में आवश्यकताओं के वर्गीकरण तथा क्रम को व्याख्या की है। वे मानते हैं कि मानवीय प्रेरक एक क्रम में निहित होते हैं। ये संख्या में 5 होते हैं। जिस समय विशेष में जो प्रेरक सबसे अधिक उत्तेजना रखता है, वह पूरे व्यवहार पर छा जाता है।



मैसलो ने 5 प्रेरक बताये हैं, वे इस प्रकार हैं-

मैसलो ने प्रथम तीन प्रकार की आवश्यकतायें निम्न व अन्तिम दो को उच्च स्तर का माना है।

अधिगम में योगदान देने वाले व्यक्तिगत व पर्यावरणीय कारक

अधिगम एक व्यापक प्रक्रिया है, इस प्रक्रिया की सफलता केवल प्रभावशाली शिक्षण पर ही नहीं, बल्कि अनेक कारकों पर भी निर्भर करती है। इन कारकों को हम मुख्य रूप से पांच भागों में बांट सकते हैं-



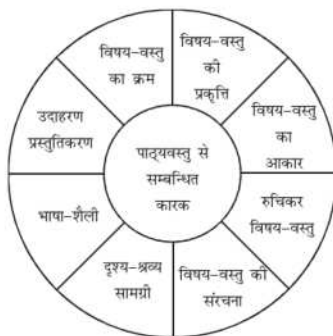
1. अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक



2. शिक्षार्थी से सम्बन्धित कारक



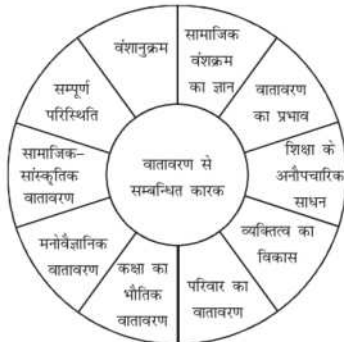
3. शिक्षक से सम्बन्धित कारक



4. अधिगम व्यवस्था से सम्बन्धित कारक



5. वातावरण से सम्बन्धित कारक



इस प्रकार ये सभी कारक अधिगम को प्रभावित करते हैं।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. सीखने की प्रक्रिया में, अभिप्रेरणा-
[CTET-2011-I]
 (a) शिक्षार्थियों को एक दिशा में सोचने के योग्य बनाती है
 (b) शिक्षार्थियों में सीखने के प्रति रुचि का विकास
 (c) शिक्षार्थियों को स्मरण-शक्ति को पैना बनाती है
 (d) पिछले सीखे हुए को नए अधिगम से अलग करती है
2. 'एक बच्चा अतीत की समान परिस्थिति में की गई अनुक्रियाओं के आधार पर नई स्थिति के प्रति अनुक्रिया करता है.' यह किससे सम्बंधित है?
[CTET-2011-I]
 (a) सीखने की प्रक्रिया का 'अभिवृत्ति-नियम'
 (b) सीखने का 'तत्परता-नियम'
 (c) सीखने का 'सादृश्यता-नियम'
 (d) सीखने का 'प्रभाव-नियम'
3. को एक अभिप्रेरित शिक्षण का संकेतक माना जाता है। [CTET-2011-I]
 (a) विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछने
 (b) कक्षा में एकदम खामोशी
 (c) कक्षा में अधिकतम उपस्थिति
 (d) शिक्षक द्वारा दिया गया उपचारात्मक कार्य
4. सीखने का वह सिद्धांत जो पूर्ण रूप से और केवल 'अवलोकनीय व्यवहार' पर आधारित है, सीखने के.....सिद्धान्त से सम्बंध है।
[CTET-2011-II]
 (a) रचनावादी (b) संज्ञानवादी
 (c) विकासवादी (d) व्यवहारवादी
5. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता आंतरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है?
[CTET-2011-II]
 (a) वे चुनौती भरे कार्यों को पसंद करते हैं
 (b) ये हमेशा सफल होते हैं
 (c) उन्हें कार्य करने में आनंद आता है
 (d) वे कार्य करते समय उच्च स्तर की ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं
6. संचालित परिपक्वता से पहले प्रशिक्षित करना प्रायः- [RTET-2011-I]
 (a) सामान्य कौशलों के निर्यादन के संदर्भ में बहुत लाभकारी होता है
 (b) कुल मिलाकर हानिकारक होता है
 (c) दीर्घकालिक दृष्टि से लाभकारी होता है
 (d) लाभकारी हो या हानिकारक, यह इस पर निर्भर करता है कि प्रशिक्षण में किस प्रकार की विधि का प्रयोग किया गया है।
7. निम्न में से कौन-सा कथन अभिप्रेरणा एक प्रक्रिया के सन्दर्भ में उपयुक्त नहीं है?
[RIET-2011-I]
 (a) यह व्यक्ति को लक्ष्य की ओर ले जाता है
 (b) यह व्यक्ति की शारीरिक आवश्यकताओं की संतुष्टि करता है
 (c) यह मनोवैज्ञानिक आकांक्षा को प्राप्त करने में सहायता करता है
 (d) यह व्यक्ति को अप्रिय स्थिति से दूर रखता है।
8. उपलब्धि अभिप्रेरक के सम्बन्ध में निम्न में से कौन-सा कथन सही है? [RIET-2011-I]
 (a) उपलब्धि अभिप्रेरक जीवित रहने के लिए आवश्यक है
 (b) यदि व्यक्तिगत क्षमताओं की संतुष्टि महत्त्वपूर्ण है तो उपलब्धि अभिप्रेरक को विकास प्रेरक कहा जा सकता है
 (c) यदि व्यक्तियों के मध्य प्रतियोगिता पर बल है, तो उपलब्धि अभिप्रेरक को सामाजिक अभिप्रेरक कहा जा सकता है
 (d) इनमें से सभी।
9. प्राथमिक विद्यालयों के बालकों के लिए निम्न में किसे बेहतर मानते हैं? [RIET-2011-I]
 (a) वीडियो अनुरूपण
 (b) प्रदर्शन
 (c) स्वयं के द्वारा किया गया अनुभव
 (d) इनमें से सभी।

10. एक कॉलेज जाने वाली लड़की ने फर्श पर कोट फेंकने की आदत डाल ली है। लड़की की माँ ने उससे कहा कि कमरे से बाहर जाओ और कोट को खूँटी पर टाँगो। लड़की अगली बार घर में प्रवेश करती है, कोट को हाथ पर रख कर आलमारी की तरफ जा कर कोट को खूँटी पर टाँग देती है। यह उदाहरण है-

[RTET-2011-II]

- (a) शृंखलागत अधिगम का
(b) उद्दीपन-अनुक्रिया अधिगम का
(c) प्रत्यक्ष अधिगम का
(d) इनमें से सभी।

11. बाह्य अभिप्रेरणा में समावेशित किया जायेगा-

[RTET-2011-II]

- I. प्रशंसा एवं दोषारोपण
II. प्रतिद्वन्द्विता
III. पुरस्कार एवं दण्ड
IV. परिणाम का ज्ञान
इनमें से-
- (a) I और III (b) I, II और III
(c) केवल II (d) इनमें से सभी।

12. अधिगम को प्रभावित करने वाला व्यक्तिगत कारक है-

[RTET-2011-II]

- (a) संचार के साधन
(b) समवयस्क समूह
(c) अध्यापक
(d) परिपक्वता एवं आयु।

13. अभिवृत्ति है-

[RTET-2011-II]

- (a) एक भावात्मक प्रवृत्ति जो अनुभव के द्वारा संगठित होकर किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु के प्रति पसंदगी या नापसंदगी के रूप में प्रतिक्रिया करती है
(b) एक ऐसी विशेषता जो व्यक्ति की योग्यता का परिचायक है जिसे किसी प्रदत्त क्षेत्र में विशिष्ट प्रशिक्षण, ज्ञान अथवा कौशल से सीखा जा सकता है
(c) व्यक्ति की बीजभूत क्षमता जो कि विशिष्ट प्रकार की होती है
(d) इनमें से कोई नहीं।

14. क्रियात्मक अनुसन्धान का उद्देश्य है-

[RTET-2011-II]

- (a) नवीन ज्ञान की खोज
(b) शैक्षिक परिस्थितियों में व्यवहार विज्ञान का विकास
(c) विद्यालय तथा कक्षा की शैक्षिक कार्य प्रणाली में सुधार लाना
(d) इनमें से सभी।

15. को अनुप्रेरित शिक्षण के एक संकेत के रूप में विवेचित किया जाता है।

[UPTET-2011-I]

- (a) कक्षा में अधिकतम उपस्थिति
(b) शिक्षक द्वारा दिया गया उपचारात्मक कार्य
(c) विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछना
(d) कक्षा में पूर्ण नीरवता।

16. अधिगम के प्रक्रम में अभिप्रेरण-

[UPTET-2011-I]

- (a) सीखने वालों की स्मृति को तेज बनाता है
(b) पुष्टि अधिगम से नए अधिगम को विभेदित करता है
(c) एकदिशीय रूप से सोचने में सीखने वालों को प्रस्तुत करता है
(d) नए सीखने वालों में अधिगम के लिए रुचि का सृजन करता है।

17. श्यामपट्ट को शिक्षण साधन सामग्री के किस समूह में उपयोग किया जा सकता है?

[UPTET-2011-I]

- (a) श्रव्य साधन
(b) दृश्य साधन
(c) दृश्य-श्रव्य साधन
(d) इनमें से कोई नहीं।

18. आप देखते हैं कि एक छात्र बुद्धिमान है। आप-

[UPTET-2011-I]

- (a) उसके साथ संतुष्ट रहेंगे
(b) उसे अतिरिक्त गृहकार्य नहीं देंगे
(c) वह जैसे अधिक प्रगति कर सके, उस तरह उसे अनुप्रेरित करेंगे
(d) उसके अभिभावकों को सूचित करेंगे कि वह बुद्धिमान है

19. एक शिक्षक विद्यार्थियों को अनुप्रेरित कर सकता है- [UPTET-2011-II]
- पुरस्कार देकर
 - सही मार्गदर्शन कराकर
 - उदाहरण देकर
 - कक्षा में भाषण देकर।
20. एक शिक्षिका को पाठ्य-वस्तु और फल-सब्जियों के कुछ चित्रों का प्रयोग करती है और अपने विद्यार्थियों से चर्चा करती है। विद्यार्थी इस जानकारी को अपने पूर्व ज्ञान से जोड़ते हैं और पोषण की संकल्पना को सीखते हैं। यह उपपान पर आधारित है। [CTET-Jan.-2012-I]
- पुनर्बलन के सिद्धांत
 - अधिगम के सक्रिय अनुबंधन
 - ज्ञान के निर्माण
 - अधिगम के शास्त्रीय अनुबंधन
21. अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों के अनुसार, एक शिक्षक के द्वारा सीखने को संबद्धित कर सकता है। [CTET-Jan.-2012-II]
- विद्यार्थियों से वास्तविक अपेक्षाएँ रखने
 - अपेक्षाओं का एकरूप स्तर रखने
 - विद्यार्थियों से किसी प्रकार की अपेक्षाएँ न रखने
 - विद्यार्थी से बहुत उच्च अपेक्षाएँ रखने
22. एक विद्यार्थी मॉडिकल कॉलेज में दाखिला लेने के लिए कठिन परिश्रम करता है ताकि वह प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हो सके। यह विद्यार्थी रूप से अभिप्रेरित है। [CTET-Jan.-2012-II]
- वैयक्तिक
 - आनुवंशिक
 - आन्तरिक
 - बाह्य
23. एक शिक्षिका अपने शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों और शारीरिक गतिविधियों का प्रयोग करती है, क्योंकि- [CTET-Jan.-2012-II]
- वे शिक्षक को आराम देते हैं
 - वे प्रभावी आकलन को सुगम बनाते हैं
 - वे शिक्षार्थियों को वैविध्य उपलब्ध कराते हैं
 - इनमें अधिकतम इन्द्रियों को उपयोग सीखने को संबद्धित करता है
24. आंशिक पुनर्बलन- [CTET-Nov.-2012-I]
- पशुओं को प्रशिक्षित करने में सर्वाधिक कार्य करता है
 - सतत् पुनर्बलन को अपेक्षा अधिक प्रभावी होता है
 - सतत् पुनर्बलन को अपेक्षा कम प्रभावी होता है
 - वास्तविक कक्षा-कक्ष में अनुपयुक्त नहीं किया जा सकता
25. 'अधिगमकर्ता का स्व-नियमन' का क्या अर्थ है? [CTET-Nov.-2012-II]
- विद्यार्थियों के व्यवहार के लिए विनियमों का निर्माण करना
 - स्व-अनुशासन और नियंत्रण
 - अपने सीखने का स्वयं अनुवीक्षण करने की योग्यता
 - विद्यार्थी निकाय द्वारा बनाए गए नियम एवं विनियम
26. सीखने के सिद्धांतों के संदर्भ में 'स्कैफोल्डिंग' की ओर संकेत करता है। [CTET-Nov.-2012-II]
- विद्यार्थियों द्वारा की गई गलतियों के कारणों का पता लगाना
 - अनुरूपित शिक्षण
 - पूर्व अधिगम को पुनरावृत्ति
 - सीखने में व्यक्तों द्वारा अस्थायी सहयोग
27. सीखने आकलन, आकलन और अनुदेशन के बीच के द्वंद्वीकरण द्वारा सीखने को प्रभावित करता है। [CTET-Nov.-2012-II]
- का; भिन्नता
 - के लिए; सम्बन्धों
 - के लिए; अंतर
 - का; अंतर
28. आंतरिक रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी- [CTET-Nov.-2012-II]
- के लिए औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता नहीं है
 - के लिए पुरस्कार को बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है
 - के लिए बाह्य पुरस्कार उसकी अभिप्रेरणा को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है

- (d) का बाह्य रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी की तुलना में अभिप्रेरणा-स्तर कम होता है
29. उपलब्धि अभिप्रेरणा है-
[CTET-Nov-2012-II]
- (a) बिना विचारे जल्दबाजी में कार्य करने की प्रवृत्ति
(b) चुनौतीपूर्ण कार्य करने में डटे रहने की प्रवृत्ति
(c) असफलता से बचने की प्रवृत्ति
(d) सफलता व असफलता को समान रूप से स्वीकारने की तत्परता
30. 'सीखने की तत्परता'..... की ओर संकेत करती है। [CTET-2013-I]
- (a) शिक्षार्थियों का सामान्य योग्यता स्तर
(b) सीखने के सातत्यक में शिक्षार्थियों का वर्तमान संज्ञानात्मक स्तर
(c) सीखने के कार्य की प्रकृति को संतुष्ट करने
(d) थॉर्नडाइक का तत्परता का नियम
31. के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है-
[CTET-2013-I]
- (a) सेरेब्रल डिस्कफ़क्शन
(b) संवेगात्मक विघ्न
(c) व्यवहारागत विघ्न
(d) सांस्कृतिक कारक
32. निम्नलिखित में से के अतिरिक्त सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है-
[CTET-2013-II]
- (a) शिक्षक की शिक्षण-शैली
(b) जन्म से पहले माँ द्वारा मंदिर-सेवन
(c) मंदबुद्धि
(d) शैशवकाल के समय दिमागी बुखार
33. निम्नलिखित में से कौन-सा वाइगोट्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त पर आधारित है?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) सक्रिय अनुकूलन
(b) पारस्परिक शिक्षण
(c) संस्कृति-निरपेक्ष संज्ञानात्मक विकास
(d) अन्तर्दृष्टिपूर्ण अधिगम
34. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न अपने विशिष्ट क्षेत्र से ठीक तरह से मिला हुआ है?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) क्या आप अपने विद्यार्थियों : मूल्यांकन को उनकी रणनीति की उपलब्धि के आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं?
(b) पिछली रात दूरदर्शन पर : सूजनशील दिखाए गए क्रिकेट मैच में निर्णायक क्षण कौन-सा था?
(c) जड़ी-बूटियों के प्रयोग : अनुप्रयोग द्वारा चिकन पकाने हेतु कोई नई पाक विधि लिखिए।
(d) निर्धारित कीजिए कि दिए : विश्लेषण गए मापकों में से कौन-सा मापक आपको उत्तम परिणामों को पाने में सर्वाधिक प्रवृत्त कर सकता है?
35. बहुशिक्षण-शास्त्रीय तकनीकें, वर्गीकृत अधिगम सामग्री, बहु-आकलन तकनीकें तथा परिवर्तनीय जटिलता एवं सामग्री का स्वरूप निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध हैं? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) सार्वभौमिक अधिगम प्रारूप
(b) उपचारात्मक शिक्षण
(c) विभेदित अनुदेशन
(d) पारस्परिक शिक्षण
36. निम्नलिखित में से प्रतिभाशाली अधिगमकर्ताओं के लिए क्या समुचित है?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) वे अन्यों को भी कुशल-प्रभावी बनाते हैं तथा सहयोगी अधिगम के लिए आवश्यक हैं
(b) वे सदैव अन्यों का नेतृत्व करते हैं और कक्षा में अतिरिक्त उत्तरदायित्व ग्रहण करते हैं
(c) अपनी उच्चस्तरीय संवेदनात्मकता के कारण वे भी निम्न श्रेणी पा सकते हैं
(d) बुनियादी तौर पर उनको मस्तिष्कीय शक्ति के कारण ही उनका महत्त्व है

37. एक विद्यार्थी उच्चस्तरीय सृजनशील रंगमंचीय कलाकार बनना चाहता है। उसके लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय सबसे कम प्रेरक होगा? [CTET-Feb.-2014-I]

- राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं को जीतने का प्रयास करना ताकि छात्रवृत्ति पाई जा सके
- अपने रंगमंचीय कलाकार साथियों के साथ समानुभूतिपूर्ण, स्नेही तथा सहयोगी सम्बन्ध विकसित करना
- उन रंगमंचीय कौशलों को अधिक समय देना जिनसे वह प्रफुल्लित होता है
- संसार के श्रेष्ठ रंगमंचीय कलाकारों की निष्पत्ति से सम्बद्ध साहित्य पढ़ने के लिए तथा उससे सीखने के प्रयास के लिए कहना

38. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व कक्षा में अधिगम हेतु सहायक हो सकता है?

[CTET-Feb.-2014-II]

- बच्चों को अधिगम हेतु प्रेरित करने के लिए परीक्षणों की संख्या को बढ़ा देना
- अध्यापकों द्वारा बच्चों की स्वायत्तता को बढ़ावा व सहायता देना
- समानता बनाए रखने के लिए किसी एक अनुदेशन पद्धति पर टिके रहना
- कालांश की अवधि को 40 मिनट से 50 मिनट तक बढ़ा देना

39. सीखने में अशक्त बच्चों के सन्दर्भ में तत्काल सम्बद्धता प्रदान करना, सहयोग पर बल देना तथा गैर-अधिगमनात्मक तकनीकी जैसी तत्काल सूचनात्मकता, बुद्धिपूर्वक गवेषणा तथा सामग्री प्रबन्धन, का उन्मूलन निम्नलिखित में से किस प्रारूप से सम्बद्ध है? [CTET-Feb.-2014-II]

- संग्रहित अधिगम
- हस्तक्षेपी अधिगम
- उपचारात्मक प्रत्युत्तर
- अधिगम का सार्वभौमिक प्रारूप

40. अधिगम-अक्षमताएँ [CTET-Feb.-2014-II]

- वस्तुपरक तथ्य हैं तथा संस्कृति को इनमें कोई भूमिका नहीं है

- पठन-अक्षमता के पर्याय हैं
- सामान्य या उससे अधिक बुद्धि-लब्धों के वाले बच्चों में भी पाई जाती है
- समय व हस्तक्षेप के स्वरूप को उपेक्षा करते हुए भी अपरिवर्तनशील नहीं होती है।

41. संज्ञानात्मक प्रशिक्षुता तथा शैक्षिक संवाह-

[CTET-Feb.-2014-II]

- अधिगम को एक सामाजिक गतिविधि के रूप में ग्रहण करते हैं
- आगमनात्मक तार्किकता के अनुप्रयोग पर आधारित हैं
- पाठ्य-सामग्री के सुव्यवस्थित संगठन पर बल देते हैं
- कुशलता की प्राप्ति हेतु व्यवहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हैं

42. बच्चों के व्यवहार को समझने के लिए विद्यार्थियों के घर के वातावरण का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इससे प्राप्त सूचना को प्रभावशाली शिक्षा-शास्त्र के निर्माण में जोड़ा जा सकता है। यह तथ्य अधिगम के किस सिद्धांत से सम्बद्ध है?

[CTET-Feb.-2014-II]

- व्यवहारवादी
- पारिस्थितिक
- रचनावादी
- सामाजिक-रचनावादी

43. मानव आवश्यकताओं का पदानुक्रम किसने दिया?

[HTET-2014-I]

- थॉमस हॉइक
- मैसलो
- गिल्फोर्ड
- कॉफ्का

44. निम्न में से कौन पुनर्वर्तन का एक प्रकार नहीं है? [HTET-2014-II]

- सकारात्मक शाब्दिक पुनर्वर्तन
- शारीरिक दण्ड
- नकारात्मक शाब्दिक पुनर्वर्तन
- उपरोक्त में से कोई नहीं

45. विद्यार्थियों में अभिप्रेरणा विकसित करने के लिए, एक शिक्षक को क्या करना चाहिए?

[HTET-2014-II]

- गलाकाट प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करना

- (b) विद्यार्थियों के सम्मुख एक अग्रान्य लक्ष्य रखना
- (c) नई तकनीक व नई विधियों का प्रयोग करना
- (d) उनके आकांक्षा स्तर को घटाना
46. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम का क्षेत्र नहीं है? [HTET-2014-I]
- (a) संज्ञानात्मक (b) भावात्मक
- (c) क्रियात्मक (d) आध्यात्मिक
47. अभिप्रेरणा का वर्गीकरण होता है- [UPTET-2014-I]
- (a) स्वाभाविक और कृत्रिम
- (b) कम महत्वपूर्ण तथा अधिक महत्वपूर्ण
- (c) जन्मजात तथा अर्जित
- (d) अभिप्रेरणा तथा प्रलोभन
48. "सामाजिक प्रत्याशाओं के अनुरूप व्यवहार की योग्यता का अधिगम सामाजिक विकास कहा जाता है।" उक्त कथन है- [UPTET-2014-I]
- (a) हरलॉक का
- (b) टी. पी. नन का
- (c) मैक्डगाल का
- (d) रॉस का
49. अपने ऊर्जाबल (Libido) को बाहर की ओर अभिव्यक्त करने वाले व्यक्ति का प्रकार होता है- [UPTET-2014-I]
- (a) ज्ञानात्मक व्यक्तित्व
- (b) कलात्मक व्यक्तित्व
- (c) बहिर्मुखी व्यक्तित्व
- (d) धार्मिक व्यक्तित्व
50. अपने-आपको प्रेम करने को प्रवृत्ति को क्या कहते हैं? [UPTET-2014-II]
- (a) आत्म-केन्द्रित प्रवृत्ति
- (b) अहंकारी प्रवृत्ति
- (c) नर्सिसिस्म की प्रवृत्ति
- (d) हिप्नोटिज्म की प्रवृत्ति
51. निम्नांकित में कौन-सी विशेषता आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है? [UPTET-2014-II]
- (a) वे चुनौतीपूर्ण कार्य पसन्द करते हैं
- (b) वे हमेशा सफल होते हैं
- (c) वे कार्य के समय आनन्द अनुभव करते हैं
- (d) वे कठिन कार्यों में उच्च स्तर की ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं
52. संवेग की उत्पत्ति — से होती है। [UPTET-2014-II]
- (a) आदतों
- (b) मूल प्रवृत्तियों
- (c) शारीरिक विकास
- (d) सम्प्रत्ययों के निर्माण
53. अभिप्रेरणा के लिए अकसर — शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। [UPTET-2014-II]
- (a) संवेग (b) आवश्यकता
- (c) भावना (d) प्रत्यक्षीकरण
54. गणित में अधिगम नियोग्यता का आकलन निम्न में से किस परीक्षण द्वारा सर्वाधिक उचित तरीके से किया जा सकता है? [CTET-Sept.-2014-I]
- (a) अभिक्षमता परीक्षण
- (b) निदानात्मक परीक्षण
- (c) स्क्रीनिंग परीक्षण
- (d) उपलब्धि परीक्षण
55. निम्नलिखित में से कौन-सा कारक अधिगम को सकारात्मक प्रकार से प्रभावित करता है? [CTET-Sept.-2014-I]
- (a) अनुवीर्ण हो जाने का भय
- (b) सहपाठियों से प्रतिযোগिता
- (c) अर्थपूर्ण सम्बन्ध
- (d) माता-पिता की ओर से दबाव
56. सामाजिक अधिगम का सिद्धांत निम्नलिखित में से किस घटक पर बल देता है? [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) प्रकृति (b) पोषण
- (c) अनुकूलन (d) पाठ-संशोधन

57. आप एक शिक्षक/शिक्षक के रूप में "रैगिंग और धमकाने" के सख्त विरोधी हैं तथा इस संदर्भ में विद्यालय में पोस्टर लगवाते हैं तथा समिति बनवाते हैं। आपसे जुड़ने वाले किशोर जो इस विचार के दृढ़ विश्वासों हैं, निम्नलिखित में से किस स्तर पर होंगे?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) पारंपरिक स्तर
(b) पूर्व-पारंपरिक स्तर
(c) उत्तर-पारंपरिक स्तर
(d) सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने वाला स्तर
58. वैयक्तिक अंतरों का ज्ञान शिक्षकों को मदद किसमें करता है? [CTET-Sept.-2014-II]

- (a) पिछड़े शिक्षार्थियों के साथ कठोर परिश्रम करने को निरर्थकता को समझने में, क्योंकि वे बाकी कक्षा के समान कभी नहीं हो सकते
(b) वैयक्तिक अंतरों को शिक्षार्थियों की असफलता की स्वीकृति एवं उत्तरदायी ठहराने में
(c) सभी शिक्षार्थियों को समान रूप से लाभ पहुंचाने के लिए अपनी प्रस्तुति-शैली को एकरूप बनाने में
(d) सभी शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का आकलन करने और उसके अनुरूप उन्हें पढ़ाने में

59. निम्नलिखित में से कौन-सा उपागम अशांतकारी व्यवहार संबंधी विकार वाले बच्चों के साथ व्यवहार करने के लिए बच्चे को उसके आस-पास के लोगों और सामाजिक संस्थाओं के साथ अंतःक्रिया करने का सुझाव देता है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) मनोगत्यात्मक (b) पर्यावरणीय
(c) जीववैज्ञानिक (d) व्यवहारवादी
60. अधिगम-नियोज्यता वाले बच्चों को प्रगति का निरीक्षण करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी पद्धति सबसे उपयुक्त है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) व्यक्ति (केस) अध्ययन
(b) घटनावृत्त अभिलेख (वास्तविक रिकार्ड)
(c) व्यवहार-रेंटिंग स्केल
(d) संरचित व्यवहारपरक अवलोकन

61. अधिगम-नियोज्यता वाले शिक्षार्थियों द्वारा एक पूर्ण और उत्पादक जीवन जीने के अवसर को बढ़ाने का सबसे सही तरीका है-

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) इस तरह के शिक्षार्थियों को कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करना
(b) इस तरह के शिक्षार्थियों से उच्च अपेक्षाओं को बनाए रखना
(c) विविध कीशलों और युक्तियों का शिक्षण करना जिसे सभी संदर्भों में लागू किया जा सकता है
(d) इन बच्चों को अपने लक्ष्यों का निर्धारण करने के लिए प्रोत्साहित करना

62. कक्षा VII का शिक्षार्थी गणित में त्रुटियाँ करता है। एक शिक्षक के रूप में आप-

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) शिक्षार्थी को सही उत्तर उपलब्ध कराएंगे
(b) शिक्षार्थी को कैल्कुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति देंगे
(c) शिक्षार्थी से कहेंगे कि वह विकल्पात्मक पद्धति का प्रयोग करें अथवा स्वयं त्रुटि का पता लगाने के लिए उसे दुबारा करें
(d) शिक्षार्थी को दिखाएँ कि त्रुटि कहाँ थी और शिक्षार्थी को उसे दुबारा करने के लिए कहेंगे

63. अभिप्रेरणा-चक्र के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही क्रम में है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) उत्तेजना, प्रबल प्रेरणा, आवश्यकता, उपलब्धि, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उत्तेजना में कमी
(b) प्रबल प्रेरणा, आवश्यकता, उत्तेजना, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी

- (c) आवश्यकता, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, प्रबल प्रेरणा, उत्तेजना, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी
(d) आवश्यकता, प्रबल प्रेरणा, उत्तेजना, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी
64. बन्दूक को सामाजिक अवलोकन पर आधारित अधिगम सिद्धांत में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया होती है? [CTET-Sep.-2014-II]
(a) स्व-चिंतन (b) प्रतिधारण
(c) पुनरावृत्ति (d) सार को दोहराना
65. बच्चों के अधिगम को सुगम बनाने के लिए अध्यापकों को एक अच्छे कक्षायी परिवेश का सृजन करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के अधिगम परिवेश का सृजन करने के लिए नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा सही नहीं है? [CTET-Feb.-2015-II]
(a) बच्चों के प्रयासों को स्वीकृति
(b) अध्यापकों के अनुसार कार्य करना
(c) बच्चों को स्वीकार करना
(d) अध्यापक का सकारात्मक रुख
66. अधिगम अनुभवों को इस प्रकार से आयोजित किया जाना चाहिए जिससे अधिगम को सार्थक बनाया जा सके। नीचे दिए गए अधिगम अनुभवों में से कौन-सा बच्चों के लिए सार्थक अधिगम को सुगम नहीं बनाता है? [CTET-Feb.-2015-II]
(a) विषय-वस्तु को केवल याद करने के आधार पर पुनरावृत्ति
(b) विषय-वस्तु पर प्रश्न बनाना
(c) प्रकरण पर परिचर्चा और वाद-विवाद
(d) प्रकरण पर प्रस्तुतिकरण
67. विद्यार्थियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने हेतु उन्हें स्वच्छता समिति का सदस्य बनाना, प्रतिबिम्बित करता है- [CTET-Feb.-2015-II]
(a) प्रेरणा की सामाजिक-सांस्कृतिक संकल्पनाएँ
(b) प्रेरणा का व्यवहारवादी उपागम
(c) प्रेरणा का मानवतावादी उपागम
(d) प्रेरणा का संज्ञानात्मक उपागम
68. एक विद्यार्थी एक प्रकरण में मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित करती है, उसका एक दृश्यात्मक प्रस्तुतिकरण बनाती है तथा प्रकरण की समाप्ति पर अपने दिमाग में इतना होने वाले प्रश्नों को प्रस्तुत करती है। [CTET-Feb.-2015-II]
(a) केन्द्रबिन्दु की विधि का प्रयोग करने की कोशिश कर रही है
(b) विचारों के संघटन के द्वारा अपने चिन्तन को निर्देशित करने की कोशिश कर रही है
(c) अनुक्षण पूर्वाभ्यास की रणनीति का प्रयोग करने की कोशिश कर रही है
(d) प्रेक्षण अधिगम सुनिश्चित कर रही है।
69. निम्नलिखित कथनों में से आप किससे सहमत हैं? [CTET-Feb.-2015-II]
(a) अधिगम एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में घटित होता है।
(b) अधिगम पूर्ण रूप से बाह्य उद्दीपन के द्वारा नियंत्रित होता है।
(c) अधिगम तब तक घटित नहीं हो सकता है, जब तक कि इसका अंकों के रूप में बाह्य रूप से आकलन नहीं कर लिया जाता है।
(d) अधिगम केवल तभी होता है, यदि यह व्यवहार में सुस्पष्ट होता है।
70. इनमें से कौन-सी अधिगम-अशक्तता वाले बच्चों की एक विशेषता है? [CTET-Feb.-2015-II]
(a) धाराप्रवाह रूप से पढ़ने तथा शब्दों पर पलट कर जाने में कठिनाई
(b) 50 से नीचे की बुद्धि-लब्धि
(c) अन्य बच्चों को धमकाना तथा आक्रामक कार्यों में लगे रहना
(d) एक ही प्रकार की गत्यात्मक क्रिया का बार-बार दोहराना
71. एक अध्यापिका यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसके विद्यार्थी आन्तरिक रूप से प्रेरित हैं। इस संदर्भ में वह करेगी- [CTET-Feb.-2015-II]
(a) इस प्रकार की अधिगम गतिविधियों की योजना बनाना जो अभिसारी चिन्ह की प्रोत्साहन देती हैं
(b) सभी बच्चों के लिए उपलब्धि के एकसमान मानकों को उल्लिखित करना

- (c) अन्तिम परिणाम पर ध्यान देने के बजाय व्यक्तिगत रूप से बच्चों की अधिगम की प्रक्रियाओं पर ध्यान देना
- (d) वस्तु रूप में पुरस्कार प्रस्तुत करना
72. बच्चे किस प्रकार से सीखते हैं? नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा इस प्रश्न के विषय में सही नहीं है? [CTET-Sept.-2015-I]
- (a) बच्चे तब सीखते हैं जब वे संज्ञानात्मक रूप से तैयार होते हैं।
- (b) बच्चे अनेकों प्रकार से सीखते हैं।
- (c) बच्चे सीखते हैं क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से प्रेरित होते हैं।
- (d) बच्चे केवल कक्षा में सीखते हैं।
73. प्राथमिक विद्यालय शिक्षक को अपने शिक्षार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए निम्नलिखित में से किस रणनीति को अपनाना चाहिए? [CTET-Sept.-2015-II]
- (a) प्रत्येक गतिविधि के प्रेरक के रूप में प्रोत्साहन, पुरस्कार और दंड का उपयोग करना।
- (b) बच्चों को उनकी रुचियों के अनुसार अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें पाने के उद्यम में सहायता करना।
- (c) पूरी कक्षा के लिए मानक लक्ष्य निर्धारित करना और उनकी उपलब्धि के आकलन के लिए कठोर मानदंड निर्धारित करना।
- (d) प्रत्येक शिक्षार्थी में अंक लाने के लिए स्पर्धा को प्रोत्साहित करना।
74. जब बच्चे एक विशेष संख्या में पुस्तकें पढ़ते हैं तो उन्हें एक प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह रणनीति शायद अधिक समय तक काम न करे, क्योंकि : [CTET-Sept.-2015-II]
- (a) पुस्तकों को पढ़ना बच्चों को उनके गृहकार्य को पूरा करने में बाधा डालेगा।
- (b) यह संभवतः बच्चों को केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए पुस्तकों को पढ़ने की तरफ ले जा सकता है।
- (c) पुस्तकालय में बहुत अधिक पुस्तकों को खरीदने की आवश्यकता होगी।
- (d) जब अधिक संख्या में बच्चे पढ़ना शुरू कर देंगे तो बड़ी मात्रा में प्रमाणपत्र देने होंगे।
75. बच्चों को अपने अध्ययन में प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों को की आवश्यकता होती है। [CTET-Sept.-2015-II]
- (a) बच्चों को डौंटने की
- (b) बच्चों को नियंत्रण में रखने
- (c) अन्य बच्चों के साथ तुलना करने
- (d) बच्चों को प्रेरित करने
76. भावनाओं, अधिगम और अभिप्रेरणा के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस कथन से आप सहमत हैं? [CTET-Sept.-2015-II]
- (a) कुछ नया सीखना इस पर निर्भर होता है कि उसमें हम कितने निपुण हैं।
- (b) सीखने के लिए भावनाओं को अलग रख देना चाहिए।
- (c) प्रेरणा और सीखने के साथ भावनाएँ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हैं।
- (d) सीखने के लिए अभिप्रेरित करने में भावनाओं की कोई भूमिका नहीं होती।
77. सीखना [CTET-Feb.-2016-I]
- (a) सीखने वाले के संवेगों से प्रभावित होता है
- (b) सीखने वाले के संवेगों से प्रभावित नहीं होता है
- (c) संवेगों से क्षीण संबंध रखता है
- (d) सीखने वाले के संवेगों से स्वतंत्र है
78. अपने चिंतन में अक्षारणात्मक परिवर्तन लाने हेतु शिक्षार्थियों को स्वयं बनाने के लिए शिक्षिका को [CTET-Feb.-2016-II]
- (a) स्पष्ट और आश्वस्त करने वाली व्याख्या देनी चाहिए तथा शिक्षार्थियों के साथ चर्चा करनी चाहिए
- (b) उन बच्चों को पुरस्कार देना चाहिए जिन्होंने अपने चिंतन में परिवर्तन किया है
- (c) बच्चों को स्वयं चिंतन करने के लिए हतोत्साहित करना चाहिए और उनसे कहना चाहिए कि वे शिक्षिका को सुनें और उसका अनुपालन करें
- (d) व्याख्यान के रूप में व्याख्या प्रस्तुत करनी चाहिए

79. बच्चे तब सर्वाधिक सृजनशील होते हैं, जब वे किसी गतिविधि में भाग लेते हैं

[CTET-Feb.-2016-I]

- (a) पुरस्कार के लिए
- (b) शिक्षक की डांट से बचने के लिए
- (c) दूसरों के सामने अच्छा करने के दबाव में आकर
- (d) अपनी रूचि से

80. जब शिक्षार्थियों को समूह में किसी समस्या पर चर्चा का अवसर दिया जाता है, तब उनके सीखने का ढंग

[CTET-Feb.-2016-I]

- (a) समान रहता है
- (b) बेहतर होता है
- (c) स्थिर रहता है
- (d) अजनब होता है

81. अभिप्रेरणा और अधिगम के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी बाहरी रूप से प्रेरित हो-बाहरी कारणों से प्रेरित हों।
- (b) अधिगम में प्रेरणा की कोई भूमिका नहीं होती।
- (c) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी बाहरी पुरस्कारों का उपयोग करने से प्रेरित हो।
- (d) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थियों में भीतरी प्रेरणा हो-सीखने की अंतर्निहित इच्छा हो।

82. सीखने के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सत्य है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) सीखने को सामाजिक क्रियाएँ सुविधा देती हैं।
- (b) सीखना एक निष्क्रिय ग्रहणशील प्रक्रिया है।
- (c) सीखना शिक्षार्थी के पूर्व ज्ञान पर आधारित नहीं है।
- (d) सीखना कौशल के संवय के समान है।

83. निम्नलिखित में से कौन-सी एक महत्वपूर्ण गतिविधि बच्चों को सीखने के लिए सहायक बनाती है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) निर्देश
- (b) पुरस्कार
- (c) संवाद
- (d) व्याख्यान

84. शिक्षक बच्चों को सृजनात्मक विचारों के लिए प्रोत्साहित कर सकता है

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) उनसे प्रत्यास्मरण-आधारित प्रश्न पूछकर
- (b) उन्हें बहु-विकल्पी प्रश्न देकर
- (c) उन्हें समस्या-समाधान के लिए विभिन्न तरीकों से सोचने के लिए कहकर
- (d) उन्हें उत्तर कंठस्थ करने के लिए कहकर

85. " विविध प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों से युक्त कक्षा सभी विद्यार्थियों के अधिगम अनुभवों को बढ़ाती है।" यह कथन है:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) गलत, क्योंकि यह बच्चों के लिए दुविधा उत्पन्न कर सकता है और वे स्वयं को अलग-थलग महसूस कर सकते हैं।
- (b) सही, क्योंकि बच्चे अपने साथियों से अनेक कौशल सीखते हैं।
- (c) सही, क्योंकि इससे कक्षा अधिक श्रेणीबद्ध दिखाई देती है।
- (d) गलत, क्योंकि यह अनावश्यक स्पर्धा को ओर ले जाता है।

86. कोई शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को क्या कहे कि उन्हें भीतरी प्रेरणा के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर सके?

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) "चलो, इसे उसके करने से पहले समाप्त कर लो।"
- (b) "तुम उसके जैसे क्यों नहीं हो सकते? देखो, उसने इसे एकदम ठीक कर दिया।"
- (c) "काम जल्दी पूरा करो तो तुम्हें एक टॉफी मिलेगी।"
- (d) "इसे करने की कोशिश करो, तुम सीख जाओगे।"

87. कोई शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अध्ययन करने हेतु आंतरिक रूप से उत्प्रेरित करने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकती है? [CTET-Sept.-2016-I]
- उनमें चिंता और डर पैदा करके
 - प्रतियोगितात्मक परीक्षण से
 - व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने और उनमें निपुणता पाने में उन्हें मदद देकर
 - साफ दिखाई पड़ने वाले इनाम देकर, जैसे-टॉफी
88. किसी प्रारंभिक कक्षा में प्रभावशाली शिक्षक का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्प्रेरित करना होगा: [CTET-Sept.-2016-II]
- सीखने के लिए जिससे वे जिज्ञासु बनें और सीखने के लिए ही सीखना पसंद करें
 - रटकर याद करने के लिए जिससे वे प्रत्यास्मरण करने में अच्छे बनें
 - दंडात्मक उपायों का प्रयोग करके जिससे वे शिक्षक का सम्मान करें
 - ऐसे काम करने के लिए जिससे परीक्षा के अंत में वे अच्छे अंक पा सकें
89. निम्नलिखित में से कौन-से तत्व अधिगम को प्रभावित करते हैं? [CTET-Sept.-2016-II]
- शिक्षार्थी का उत्प्रेरण
 - शिक्षार्थी की परिपक्वता
 - शिक्षण युक्तियाँ
 - शिक्षार्थी का शारीरिक और संवैगात्मक स्वास्थ्य
- A, B और C
 - A, B, C और D
 - A और B
 - A और C
90. सार्थक अधिगम है: [CTET-Sept.-2016-II]
- निजी अनुभवों से ज्ञान की संरचनाओं का सक्रिय निर्माण
 - उद्दीपक तथा उत्तर के बीच युग्मन तथा साहचर्य
 - वयस्कों और अधिक सक्षम साथियों का अनुकरण
 - दी गई सूचना का निष्क्रिय ग्रहण
91. अधिगम के नियम के तहत तत्परता का नियम प्रतिपादित किया है: [HTET-2017]
- एडवर्ड एल० थॉर्नडाइक ने
 - जॉन बी० वाटसन ने
 - इवान पेट्रोविच पाव्लोव ने
 - मैक्स-वर्देमर ने
92. वह गत्यात्मक बल जो बालक को व्यवहार को ऊर्जा देता है और वह सीखने की क्रिया करता है, वह है: [HTET-2017]
- लक्ष्य ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - प्रबल प्रेरणा ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - अवरोध ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - सभी विकल्प सही हैं ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
93. पुनर्वर्तन निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया का भाग है? [HTET-2017]
- शिक्षण ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - अधिगम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - अनुदेशन ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - उपरोक्त में से कोई नहीं ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
94. गैने ने अपनी पुस्तक "दी कॉन्डिशनस ऑफ लर्निंग" में सीखने के कितने प्रकार बताए हैं? [HTET-2017]
- पाँच प्रकार ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - आठ प्रकार ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - सात प्रकार ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
 - दस प्रकार ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
95. निम्नलिखित में से कौन-सा आन्तरिक अभिप्रेरणा का उदाहरण है? [HTET-2017]
- विद्यालय फुटबाल टीम में चयन होना
 - स्वयं के लिए समस्या का समाधान करना
 - जन्मदिन पर पोशाक मिलना
 - सभी विकल्प सही हैं
96. सीखने की वह अवधि, जब सीखने को प्रक्रिया में कोई उन्नति नहीं होती, कहलाती है [UPTET-2017]
- सीखने का वक्र
 - सीखने का पठार
 - समृति
 - अवधान